देन उसकी! हमारे लिये

(लघु कथाएँ)

अन्तरा करवड़े

अरूण पब्लिशिंग हाऊस प्राईवेट लिमिटेड, चण्डीगढ़

Scanned with OKEN Scanner

Arun Publishing House Pvt. Ltd.
SCO 49-51, SECTOR 17 C, CHANDIGARH - 160 017
EMAILs: arunpublishing@hotmail.com --- nebaaph@sancharnet.in

Den Uski ! Hamare Liyae - Antara Karvade

*International Standard Book Number (ISBN):**81-8048-031-3***

First Published: 2004

© 2004 Author

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted, in any form or by any means, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without prior written permission of the publisher. The views expressed in this book are those of author/contributors and not necessarily those of the publisher. The publisher is in no way responsible for any affect on account of any expression, whatsoever. Any assertion regarding proprietary name/trademark etc. should not be taken as affecting the legal status of these names/marks.

Designed and Photo-composed at:
New Era Book Agency
SCO 49-51 (Basement), Sector - 17C
Chandigarh - 160 017 (India)
Tel.: 2702318

Printed in India **190.00**

Published by and printed through Arun Publishing House Pvt. Ltd., Chandigarh 160 017

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रमणिका

समर्पण

भूमिका

1 चैन — 9

2 किशोरी हो गई विटिया — 11

3 पीढ़ियाँ — 13

4 नशा — 14

5 कमाई — 17

6 ट्रेड़िशनल पेरेन्टिंग — 19

7 सिंदूरी — 21

8 वुढ़ापा — 23

9 प्रेम — 26

10 कुपोषण — 28

11 गाँव की लड़की — 30

12 एक जात है सभी — 32

13 भड़भूँजिया — 33

14 सेटिंग — 35

15 वाग्देवी का तेज — 38

16 महानगर ड़ायरी — 42

17 गंदा कुत्ता — 45

18 पोटेंशियल कस्टमर — 48

19 सपने — 50

20 मिट्टी लौट आई — 52

21 चिड़ियाघर — 54

22 अधर — 56

23 डिस्चार्ज सेटिस्फेक्शन — 58

24 जुगत — 59

25 सूट — 60

26 इन्स्टॉलमेंट — 61

Scanned with OKEN Scanner

27 हक — 63
28 देशभक्ति — 64
29 आरोप — 66
30 पता नही — 68
31 घर — 70
32 फर्क — 71
33 स्त्री — 73
34 एकांत वास — 77
35 मानसिक व्यभिचार — 79
36 एहसान — 81
37 वार कोड़िंग — 82
38 निर्गुण फ्यूजन — 83
39 वेटा विगड़ रहा है! — 84
40 मन की शांति — 85
41 ओपन लाईफ स्टाईल — 86
42 अंतरयामी — 88
43 वोझ — 90
44 ममता — 92
45 टेस्ट — 93
46 ज्यादा जानकारी — 94
47 भेदभाव — 95
48 वंशावली — 96
49 रफ्तार — 98
50 जीनियस वालक — 99
51 गहरी जड़ों के नाम पर — 102
52 वेटी — 106
53 जिंदगी भर का साथ — 111
54 चुप होती आवाजें — 115
55 जात — 120

Scanned with OKEN Scanner

देन उसकी ! हमारे लिये (लघु कथाएँ)

कुछ मुस्कानें, आँसू और ढ़ेर सी विडंवनाओं की साक्षी लघु कथाएँ। इन्सानों के लिये एक आम इन्सान ने लिखे हुए चंद जिंदगी के लम्हें है यहाँ। पता नहीं क्या अपेक्षाएँ हर एक को होती है खुद से। अपने आप में ही एक विश्व सा लिये चलते है हम सभी और फिर कटते जाते है सभी से। यहाँ तक कि अपने आप से भी। कई बार माँ, पिताजी और ये सारी दुनिया ही क्यों न कहूँ, दुश्मन सी प्रतीत होगी। इन शब्दों में हो सकता है कि किसी एक को आईना व जीवन के नए अध्याय मिल जाए। कुछ अपने झाँकते हुए दिखाई दे जाए। ऊँची दार्शनिक बातों के अलावा कुछ सच और कुछ जरूरी बदलाव भी मिल सकते है इस दौरान। आसमान को तकते हुए उसकी ऊँचाई से दोस्ती करना और जमीन पर अपने पैर भी जमाए रखना शायद यही है वो चीज जिसे हम जीते है। यही कुछ सोच इन कहानियों के लेखन के समय मन में रही। *प्रस्तुत कहानी संग्रह में पाठकों को लेखक में अनन्त संभावनाएँ नजर आयें गी। भाषा और शैली पर उनकी अच्छी और सृजनात्मक पकड़ है। उनकी कहानियां 'प्रेमतत्व' व आदर्शों के साथ उपस्थित है।*

अन्तरा का जन्म एक संगीतज्ञ परिवार में हुआ है। पिताश्री शास्त्रीय संगीत में डॉक्टरेट है व वॉयलिन वादन के क्षेत्र की ख्यात शख्सियत है। अन्तरा ने स्वरों के स्थान पर शब्दों को अपने कार्यक्षेत्र हेतु चुना है।

शैक्षणिक क्षेत्र में एम.आय.बी. मास्टर ऑफ इन्टरनॅशनल बिज़नेस की डिग्री प्राप्त की है। साथ ही शास्त्रीय संगीत में गायन व वॉयलिन में भी डिग्री प्राप्त है।

उम्र के 15वे वर्ष से ही, अन्तरा ने समाचार पत्रों हेतु लेखन आरंभ कर दिया था जो आज भी जारी है। उन्होंने हरियाणा राज्य के प्रतिष्ठित समाचार पत्र के साथ सफलतापूर्वक दो वर्षों तक एक धार्मिक स्तंभ का संचालन किया। लोकप्रिय समाचार पत्र नईदुनिया में इनके आलेख नियमित रूप से स्थान पाते है। वर्तमान में अन्तरा एक धार्मिक पत्रिका "त्रैलोक्य" का संपादन कर रही है व साथ ही "यथार्थ आरोग्य" नामक पत्रिका का "यथार्थ आरोग्य युवा मंच" का कार्यभार देखती है। हिन्दी के साथ साथ अंग्रेजी कविता व लघुकथा में भी इनकी रूचि है। वे "ईकथा" नामक अंग्रेजी पोर्टल के लिए संपादन व सामग्री चयन का कार्य देखती है।

वो एक उम्दा कार्यक्रम प्रस्तोता भी है। मंच प्रस्तुतियों व आकाशवाणी और दूरदर्शन हेतु कार्यक्रमों के संचालन का अनुभव रखती है। अन्तरा विभिन्न कवि सम्मेलनों में भाग ले चुकी है व इनकी कविताएँ आकाशवाणी पर नियमित स्थान पाती है। इसके अलावा अंग्रेजी से हिन्दी व मराठी से हिन्दी भाषाओं में अनुवादन का कार्य भी नियमित रूप से करती है।

Rs.190.00

ISBN:81-8048-031-3

9 788180 480317

Arun Publishing House Pvt. Ltd.
SCO 49-51, Sector - 17C, Chandigarh - 160 017 (India)
emails: nebaaph@sancharnet.in --- arunpublishing@hotmail.com

Scanned with OKEN Scanner